बाढ़ आपदा की जानकारी

आपदा क्या है ?

हमारे रहन–सहन को अस्त–व्यस्त और जन–धन की हानि कर दें। जिसमें बाहरी मदद की आवश्यकता हो। उसे आपदा कहते है।

आपदा के प्रकार

1. भूकम्प

2. तूफान

3. सूखा

4. बाढ़

5. आग

बाढ़ से पूर्व तैयारी

हम सभी बाढ़ आने से पहले से तैयारी जरूर कर लें –

1. **स्वास्थ्य की देखभाल**

   छोटा सा बैग ले और चित्र में दिखायें गयें सामग्री को रख लें। जिससे प्राथमिक उपचार किट तैयार होगी।

   सॉप काटने पर क्या करें ?

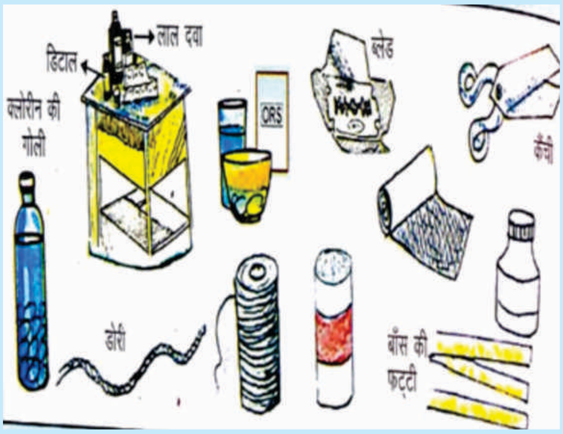

- ✓ सॉप के काटे स्थान से ऊपर थोड़ी–थोड़ी दूर पर दो स्थानों पर सूत की डोरी या कपड़े से सख्ती से बॉध दें। जिससे कि खून का दौरा रूक जायें।
- ✓ कटे हुये भाग को डेटाल से अच्छी तरह धो लें।
- ✓ पीड़ित व्यक्ति का हौसला बढ़ायें एवं लेटने न दें। कटे हुए भाग को नीचे की ओर ही रखें।

यथाशीघ्र व्यक्ति को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (सरकारी अस्पताल) पर पहुचायें।

2. टीकाकरण

जिन बच्चों को जो टीके लगने है, उन्हे बाढ़ से पूर्व अवश्य लगवायें। पशुओं को भी बाढ़ पूर्व खुरपका, मुहपका आदि के टीके अवश्य लगवायें।

3. संसाधनों की व्यवस्था

टार्च, लालटेन, माचिस, मोमबत्ती, मिटटी का तेल, रस्सी, बॉस के टुकडे, मजबूत प्लास्टिक का थैला, ढक्कन के स्टोव, मिटटी का चूल्हा, प्लास्टिक की पन्नी, लाठी–डंडा, साबुन नहाने एवं कपड़ा धोने के लिए।

4. भोजन की व्यवस्था

5. ईधन व चारें की व्यवस्था

6. जरुरी कागजात

जरूरी कागजात जैसे बैंक का पासबुक, चेक बुक, मकान व जमीन के कागज, दवा का पर्चा आदि पालीथीन के पैकेट में ड़ालकर सुरक्षित स्थान पर रख दें।

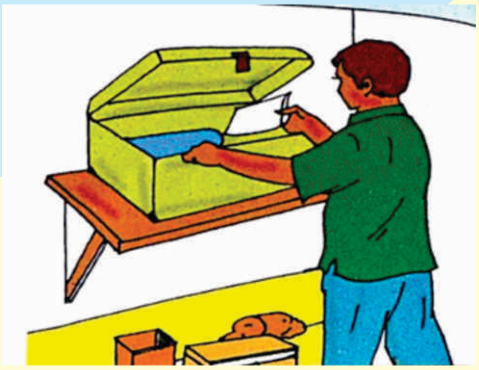

7. अशक्त रोगी, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दे।

8. पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दें।

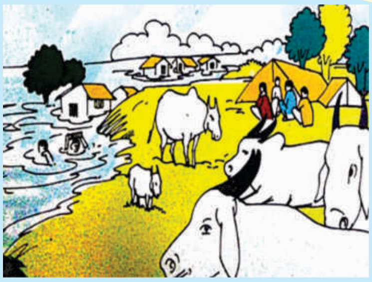

बाढ़ आने पर क्या न करें ?

बाढ़ के पानी का प्रयोग किसी भी कार्य में न करें क्योंकि इससे अनेक बीमारियॉ फैलने की सम्भावना होती है।

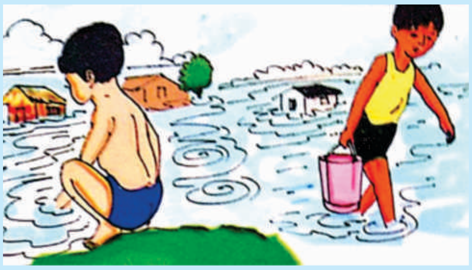

पशुओं को बाढ़ का पानी न पीने दें, न अधिक देर तक बाढ़ के पानी में रहने दें क्योंकि पशु बीमार हो सकते है।

बासी भेजन या देर तक रखा हुआ खुला खाना न खायें। ऐसा खाना खाने से उल्टी व दस्त की बीमारी हो सकती है।

अकेले बाढ़ के पानी में न जायें क्योंकि डूब जाने का खतरा होता है।

गीले कपड़े पहनने से बुखार व दाद–खाज की बीमारी हो सकती है। इसलिए गीले कपड़े न पहने।

ताजा एवं सुपाच्य भोजन करें। जिससे बीमार नहीं होगें।

साबुन से हाथ धोये बिना खाना न खायें क्योंकि हाथ में चिपके गन्दे कीटाणु व गन्दगी पेट में चली जायेगी।

प्रतिदिन पहनने वाले कपड़ों को साबुन या सर्फ से साफ करें एवं धूप में सुखायें

बाढ़ के पश्चात क्या करें

साफ पानी से नहायें तथा सम्भव हो तो एक बाल्टी पानी में एक ढक्कन डिटाल मिला लें।

नाखून साफ व छोटा रखें। क्लोरीन युक्त पानी ही पीने के लिए प्रयोग करें।

घर के आस पास सफाई पर विशेष ध्यान दें।

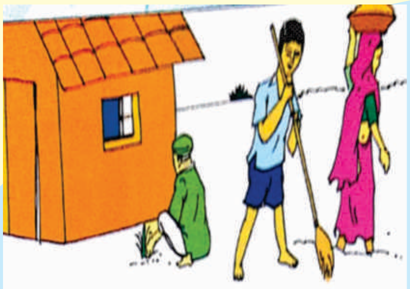

घर में रखा अनाज, कपड़े एवं अन्य आवश्यक सामाग्री अच्छी तरह धूप में सुखा लें।

जल निकासी की व्यवस्था करें। गडढे / अन्य स्थान पर ठहरे हुए पानी में मिटटी का तेल डालें जिससे मच्छर पनप नहीं पायें। यदि सम्भव हो तो, गडढे भर दें।

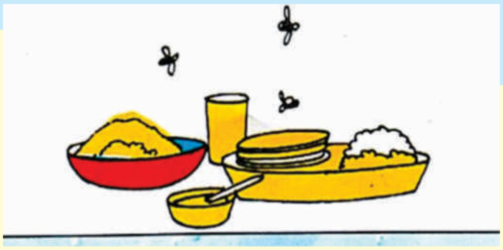

बाढ़ के पानी में भीगा चारा / भूसा पशुओं को न दें। इससे पशु बीमार हो सकते है।

चूना या ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नालियों एवं सीलन वाले स्थान पर करें।

बाढ़ से होने वाले नुकसान की सूची तैयार करें।

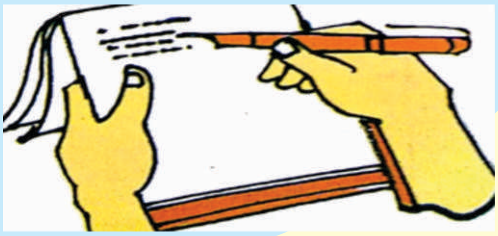

शोहरतगढ़ एन्वायरमेंटल सोसाइटी

9, प्रेम कुंज, आदर्श कालोनी, शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर (यू.पी.)

एम एम बी -1/8, द्वितीय तल, सेक्टर - बी, एस बी आई कालोनी,

सीतापुर रोड योजना, लखनऊ (यू.पी.)

ई मेल – sesindia@sesindia.org

follow us: /indiases /sesindia http://sesindia.org